2030 तक 109 लाख करोड़ का होगा भारत का फार्मा बाजार

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में तीन दिवसीय फार्मा एक्सपो सीपीएचआइ और पी-मेक इंडिया की हुई शुरुआत

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में मंगलवार से तीन दिवसीय सीपीएचआइ और पी-मेक इंडिया के 17वें संस्करण की शुरुआत हुई। इन्फोर्मा मार्केट्स इंडिया की ओर से आयोजित एक्सपो में भारतीय फार्मा उद्योग की मजबूत क्षमता का प्रदर्शन किया गया। एक्सपो में अमेरिका, यूएई, दक्षिण कोरिया, जापान और यूनाइटेड किंगडम सहित 120 से अधिक देशों के दो हजार से अधिक प्रदर्शक और 50,000 से अधिक आगंतुक एक दूसरे से रूबरू होंगे।

उद्घाटन के मौके पर फार्मेक्सिल के महानिदेशक के राजा भानु, फेडरेशन आफ फार्मा उद्यमी के अध्यक्ष हरीश के जैन, उपाध्यक्ष फार्मेक्सिल नमित जोशी, वैश्विक राजदूत विश्व पैकेजिंग संगठन एवीपीएस चक्रवर्ती, एक्सपो मार्ट के अध्यक्ष राकेश कुमार, इन्फोर्मा मार्केट्स इंडिया के प्रबंध निदेशक योगेश मुद्रास, कार्यकारी उपाध्यक्ष फार्मा एडम एंडरसन आदि मौजूद रहे। फार्मेक्सिल के अध्यक्ष डा. एसवी वीरमानी ने कहा कि भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग एक वैश्विक गुरु के रूप में उभरा है, जो 200 से अधिक देशों में निर्यात करता है। भारत का फार्मा बाजार वर्तमान के 46 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2030 तक 109 लाख करोड़ और 2047 तक 380 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। योगेश मुद्रास ने कहा कि भारत फार्मा क्षेत्र में अब मात्रा के हिसाब से दुनिया भर में तीसरे और मूल्य के हिसाब से 14वें स्थान पर है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 1.72 प्रतिशत का योगदान देता है।

20 से अधिक देशों के प्रदर्शक और 50,000 से अधिक आगंतुक एक दूसरे से रूबरू होंगे

380 लाख करोड़ 2047 तक पहुंचने का अनुमान है फार्मा बाजार का

200 से अधिक देशों में निर्यात करता है भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग

इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में लगे फार्मा एक्सपो में जानकारी लेते लोग • जागरण

भारत शीर्ष 12 वैश्विक जैव प्रौद्योगिकी गंतव्यों में से एक है और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तीसरा सबसे बड़ा है। यह नेतृत्व कम विनिर्माण लागत जैसे प्रमुख लाभों से उपजा है, जो अमेरिका और यूरोप की तुलना में 30-35 प्रतिशत कम है। लागत प्रभावी अनुसंधान और विकास में 87 प्रतिशत कम है।

आग की घटना में सुरक्षा देगा फायर डोर: आग की घटनाओं से अब जनहानि को रोका जा सकेगा। फार्मा एक्सपो में शक्ति हरमन कंपनी ने फायर डोर को पेश किया है। कंपनी के प्रतिनिधि गिरिश ने बताया कि आग लगने की घटना बढ़ती जा रही है। अस्पतालों में आग लगने के कारण कई मरीजों को जान गंवानी पड़ जाती है। कंपनी के दरवाजे की खासियत यह है कि 30 मिनट से लेकर 120 मिनट तक आग को लपटों को रोक सकता है। साथ ही यह धुएं को भी आरपार नहीं होने देता। 30 से 120 मिनट तक का अंतराल इतना लंबा है कि मरीजों, अन्य लोगों और जरूरी उपकरणों को बाहर निकाला जा सकेगा। दरवाजा स्टील का बना है और इसमें हनीकाम व थर्मो फोलिंग को गई है, जो आग को रोकती है। भारत सरकार के अधिकतर परियोजनाओं में इसका उपयोग किया जा रहा है। इस डोर को सुरक्षा संबंधी सभी प्रमाणपत्र मिले हैं।

कैंसर से निपटने के लिए कार्टिसेल थेरेपी हो रही विकसित

विश्व पैकेजिंग संगठन (डब्ल्यूपीओ) के वैश्विक राजदूत एवीपीएस चक्रवर्ती ने बताया कि भारतीय दवा उद्योग कैंसर के इलाज के लिए कार्टिसेल थेरेपी और दवा प्रतिरोधी रोगाणुओं से निपटने वाले एक क्रांतिकारी मैक्रोलाइड एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन जैसी प्रगति के माध्यम से अपनी अभिनव क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है। ये नवाचार भारत की सामर्थ्य और प्रभाव में दोहरी ताकत को उजागर करते हैं, जो दुनिया की फार्मेसी के रूप में इसकी भूमिका की पुष्टि भी करते हैं।